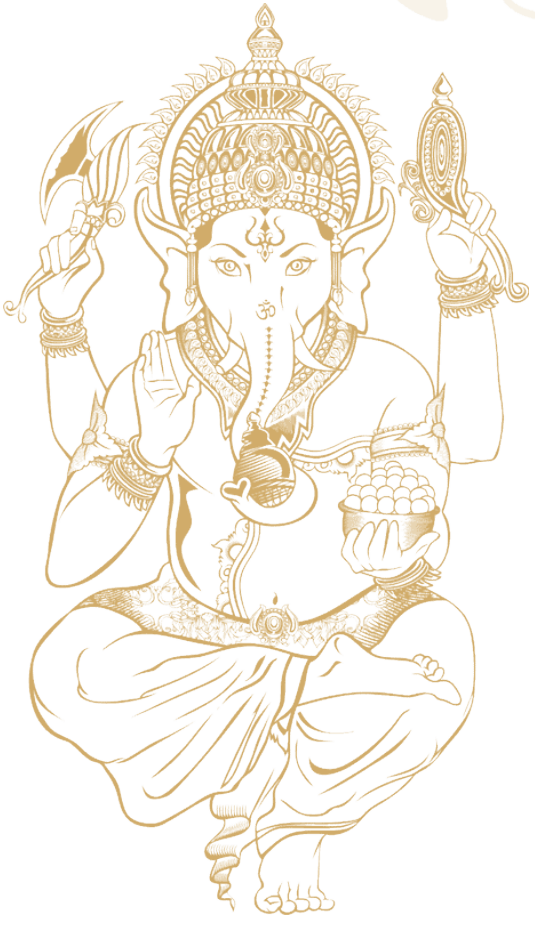

Poonam

01 Jul 2001

11:00 AM

Hindaun

Model: web-freekundliweb

Order No: 121765114

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**01/07/2001**
दिन	रविवार
जन्म समय	**11:00:00 घंटे**
इष्ट	13:40:02 घटी
स्थान	**Hindaun**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:44:00 उत्तर
रेखांश	77:02:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:38:08 घंटे
वेलान्तर	-00:03:49 घंटे
साम्पातिक काल	05:15:30 घंटे
सूर्योदय	05:31:59 घंटे
सूर्यास्त	19:19:15 घंटे
दिनमान	13:47:17 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	15:34:55 मिथुन
लग्न के अंश	26:10:48 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	सिद्ध
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	तू-तुष्टि
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	26:10:48	322:08:02	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	---
सूर्य			मिथु	15:34:55	00:57:12	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	सम राशि
चंद्र			तुला	24:23:12	13:05:11	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
मंगल	व		वृश्चि	23:36:48	00:14:33	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	स्वराशि
बुध			वृष	27:44:55	00:14:26	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	मित्र राशि
गुरु			मिथु	03:28:36	00:13:39	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			वृष	01:18:52	01:04:11	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	स्वराशि
शनि			वृष	15:05:58	00:07:04	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
राहु			मिथु	12:29:47	00:00:26	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	उच्च राशि
केतु			धनु	12:29:47	00:00:26	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	उच्च राशि
हर्ष	व		कुंभ	00:33:10	00:01:28	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
नेप	व		मक	14:15:36	00:01:22	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	19:21:34	00:01:24	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			वृष	25:53:48	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:24

लग्न-चलित

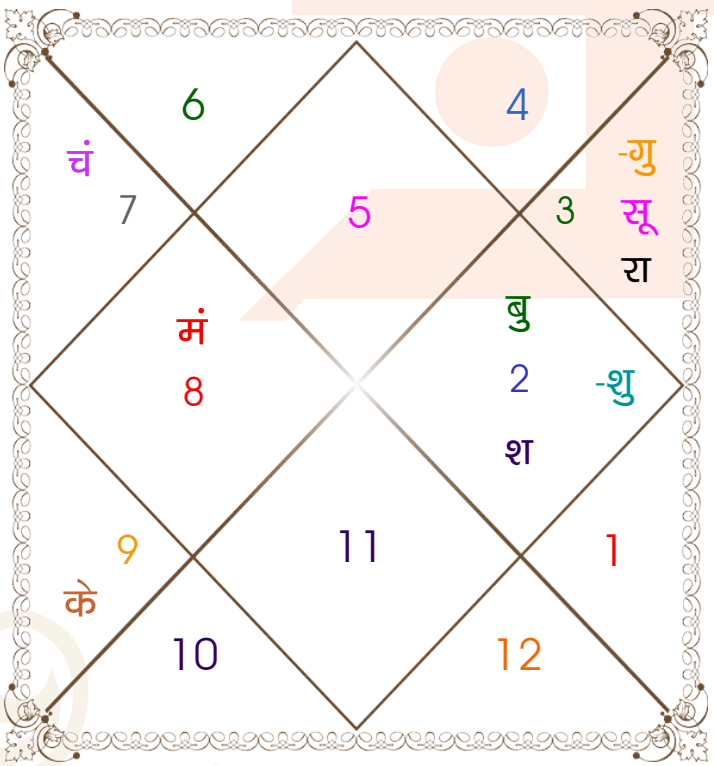

चन्द्र कुंडली

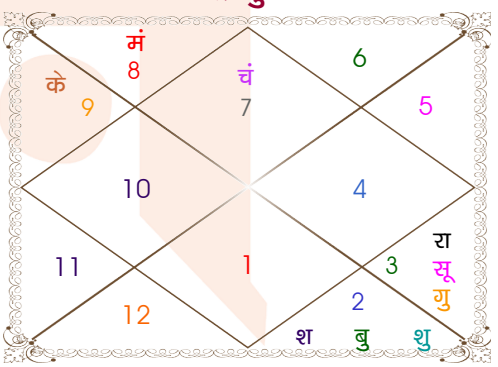

नवमांश कुंडली

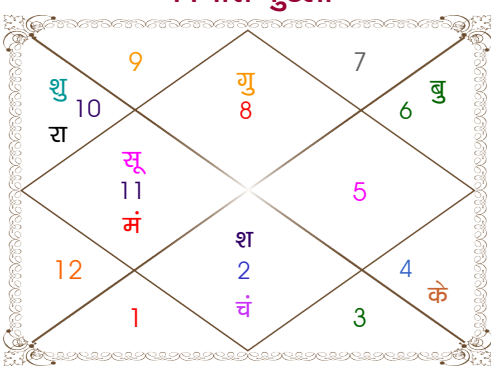

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 10 वर्ष 8 मास 25 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
01/07/2001		26/03/2012		27/03/2031		26/03/2048		27/03/2055	
26/03/2012		27/03/2031		26/03/2048		27/03/2055		27/03/2075	
	00/00/0000	शनि	30/03/2015	बुध	23/08/2033	केतु	22/08/2048	शुक्र	27/07/2058
	01/07/2001	बुध	07/12/2017	केतु	20/08/2034	शुक्र	23/10/2049	सूर्य	27/07/2059
बुध	03/03/2003	केतु	16/01/2019	शुक्र	20/06/2037	सूर्य	27/02/2050	चंद्र	27/03/2061
केतु	07/02/2004	शुक्र	18/03/2022	सूर्य	26/04/2038	चंद्र	28/09/2050	मंगल	27/05/2062
शुक्र	08/10/2006	सूर्य	28/02/2023	चंद्र	26/09/2039	मंगल	25/02/2051	राहु	26/05/2065
सूर्य	27/07/2007	चंद्र	28/09/2024	मंगल	22/09/2040	राहु	14/03/2052	गुरु	25/01/2068
चंद्र	25/11/2008	मंगल	07/11/2025	राहु	11/04/2043	गुरु	18/02/2053	शनि	27/03/2071
मंगल	01/11/2009	राहु	13/09/2028	गुरु	17/07/2045	शनि	30/03/2054	बुध	25/01/2074
राहु	26/03/2012	गुरु	27/03/2031	शनि	26/03/2048	बुध	27/03/2055	केतु	27/03/2075

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
27/03/2075		27/03/2081		27/03/2091		27/03/2098		27/03/2116	
27/03/2081		27/03/2091		27/03/2098		27/03/2116		00/00/0000	
सूर्य	15/07/2075	चंद्र	25/01/2082	मंगल	23/08/2091	राहु	08/12/2100	गुरु	16/05/2118
चंद्र	13/01/2076	मंगल	26/08/2082	राहु	10/09/2092	गुरु	04/05/2103	शनि	26/11/2120
मंगल	20/05/2076	राहु	25/02/2084	गुरु	17/08/2093	शनि	10/03/2106	बुध	02/07/2121
राहु	14/04/2077	गुरु	26/06/2085	शनि	25/09/2094	बुध	26/09/2108		00/00/0000
गुरु	31/01/2078	शनि	25/01/2087	बुध	23/09/2095	केतु	14/10/2109		00/00/0000
शनि	13/01/2079	बुध	26/06/2088	केतु	19/02/2096	शुक्र	14/10/2112		00/00/0000
बुध	19/11/2079	केतु	25/01/2089	शुक्र	20/04/2097	सूर्य	08/09/2113		00/00/0000
केतु	26/03/2080	शुक्र	25/09/2090	सूर्य	26/08/2097	चंद्र	10/03/2115		00/00/0000
शुक्र	27/03/2081	सूर्य	27/03/2091	चंद्र	27/03/2098	मंगल	27/03/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 10 वर्ष 9 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में हुआ था। आपके जन्म काल सिंह लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश तथा मेष राशीय द्रेष्काण भी उदित था। सिंह लग्न के उपयुक्त संयोजन से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि यदि आप सतर्कता पूर्वक समुचित योजनानुसार कार्यारम्भ करे तो आप अपने जीवन में निश्चित रूप से सफल होंगी। लेकिन आपके लिए धन-उपार्जन के स्रोत अनिवार्य हैं। यदि आय के स्रोत में कोई व्यवधान उपस्थित हुआ तो यह संभव है कि आप की समस्याएं संघर्षपूर्ण होकर आपके जीवन पथ को समृद्धिशाली बनाने में समस्याओं के साथ मुठभेड़ करना पड़े।

वर्त्तमान काल वास्तविक संयोजन का स्वरूप ऐसा चित्रित हो रहा है कि आपके जीवन का स्वरूप उत्तम, अधम एवं अप्रिय प्रतीत होगा। वर्त्तमान काल जो ग्रह आपके धनोपार्जन हेतु प्रतिकूल है उनका उच्च प्रभावी होना आवश्यक है अन्यथा आपकी उच्च स्थिति एवं आनन्द प्राप्ति के मार्ग अवरूद्ध हो जाएंगे तथा आपको आवश्यकता की पूर्ति हेतु महत्वपूर्ण धनोपार्जन के लिए कोई समझौता करना पड़ेगा। आप किसी प्रशासनिक पद पर कार्यरत होने के लिए सक्षम है। किसी निगम एवं बड़ी कम्पनी की निदेशक पद पर कार्य हेतु योग्य है। समाज में आपका प्रभाव रहेगा आपको धन, प्रतिष्ठा एवं सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

सिंह लग्न सदैव ही उचित दिशा निर्देश करता है। सिंह लग्न प्रभावी स्त्री का जीवन छलकपट से युक्त, आडम्बर एवं असन्तोषयुक्त तथा आशा प्रत्याशा दिलानेवाला होता है। यह धन उपार्जन करने वाला उत्तम पारिवारिक जीवन से युक्त होता है। आप सदैव दो गुणों से पूर्ण अर्थात् उत्तम स्वास्थ्य से युक्त एवं आनन्दित रहेंगी। परन्तु अप्रत्यक्ष रूप से वृद्धावस्था में ऐसा अवसर आ सकता है कि आप आंशिक रूप से हृदय रोग अथवा मेरू दण्डीय समस्याओं से ग्रसित हों जाएं। क्योंकि आपके व्यस्ततम कार्यक्रम एवं उत्तेजनापूर्ण मनोदशा ही आपको रोगग्रस्त कर सकते है।

परन्तु वृश्चिक नवमांश बिन्दु भिन्न प्रकार से आपके जीवन की छवि को प्रस्तुत करता है कि आपके अंग में आंशिक दोष जन्मकाल से ही रोग के रूप में प्रभावी हैं।

अस्तु! आपको समुचित रूप से क्रमबद्धतापूर्वक अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहना चाहिए ताकि रोग के प्रभाव से मुक्त रह सकें। आपकी कुण्डली का नवमांश फल यह प्रदर्शित करता है कि आप अच्छा जीवन व्यतीत करेंगे। आपके लिए विशेष विचारणीय तथ्य यह है कि आपको स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रह कर समुचित रूप से ध्यान देना चाहिए। जितनी भी संभावना हो सतर्कतापूर्वक मन में शांति एवं निर्विध्न रूप से विश्राम ग्रहण कर भोजनादि पर नियंत्रण रक्खें तथा हानिकारण वस्तुओं का परित्याग करें। अन्य वांछनीय तथ्य यह है कि आपको सावधानी पूर्वक अपना जीवन संचालन करना चाहिए। अस्तु आप स्वास्थ्य संबंधी किसी भी प्रकार की समस्याओं के प्रति उचित आहार विहार का सेवन करे।

आपको अनावश्यक रूप से किसी भी प्रकार की परेशानियों के प्रति सजग रहना

चाहिए। आपमें विभिन्न प्रकार के प्रभावशाली गुण विद्यमान है। यदि आप सुव्यवस्थित रूप में इन गुणों को व्यवहृत करें तो आप धनी हो सकती हैं। आपको राय दी जाती है कि आप अपने धन कोष का परीक्षण करें क्योंकि आप जनताओं के मध्य उपस्थित होकर बहुतायत में धन का व्यय करेंगी। यदि आप संप्रति इस प्रकार मुक्त हस्त से व्यय करती रहीं तो बाद में पश्चाताप करना पड़ सकता हैं क्योंकि आपका धन बर्बाद हो चुका होगा।

आपके पास सुन्दर पति, श्रद्धाप्रदायक पुत्र से युक्त पारिवारिक भवन होगा। आप पर्याप्त आर्थिक धनोपार्जित स्रोतों से युक्त अधिकारपूर्ण शान-शौकत से युक्त आरामदायक जीवन बिताने के साधन से सफल होंगी।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक लाभदायक प्रमाणित होगा। परन्तु अंक 2, 7 और 8 अंक किसी भी परिस्थिति में आपके लिए अनुपयुक्त है।

आपकों नीला, काला एवं सफेद रंग का परित्याग कर, रंग, नारंगी, लाल और हरे रंग का वस्त्रादि धारण करना चाहिए। ये रंग आपके लिए लाभदायक है।